

पलंग दंत पुं. (फा.+देश.) चीते की तरह टेढ़े दाँतों वाला, वह जिसके दाँत चीते की तरह टेढ़े हो।

पलंगपोश पुं. (तद्.+फा.) पलंग पर बिछाने की चादर।

पलंडी स्त्री. (देश.) मल्लाह का वह बाँस जिससे वे पाल को खड़ा करते हैं।

पलंगिया स्त्री. (देश.) पलंग, खाट।

पल पुं. (तत्.) 1. 24 सेंकड के बराबर का समय, समय का एक प्राचीन हिस्सा, भाग, थोड़े समय में, कम समय में 2. घड़ी का 60वाँ हिस्सा या भाग 3. चार तौले के बराबर माप, 4 कर्ष के बराबर की एक तौल 5. लोहे का वह डंडीदार पात्र जिसमें चार तौले तेल आता है 6. माँस, गोश्त 7. धान का सूखा डंठल, जिससे दाने निकाल या अलग कर लिए गए हो 8. धोखेबाजी, प्रतारणा 9. चलने की क्रिया, गति 10. मूर्ख व्यक्ति 11. तुला, तराजू 12. कीचड़ 13. शव, लाश पुं. पलक, दृगंचल।

पलक पुं. (फा.) 1. क्षण, पल 2. दम स्त्री. (फा.) आँख के ऊपर का वह परदा या पतला आवरण जो गिरता है तो आँख बंद हो जाती है और उठता है खुल जाती है, बरौनी मुहा. पलक झपकना- क्षण भर के लिए पलक का गिराना या बंद होना; पलक पसीजना- आँखों में आँसू आ जाना, किसी के प्रति दया उत्पन्न होना; पलक भाँजना- पलक गिराना या हिलाना, पलकें हिलाकर संकेत या इशारे करना; पलक लगना- नींद आ जाना, झपकी आना; पलक से पलक न लगना- नींद न आना, टकटकी लगाए रखना; पलकें बिछाना- अत्यंत प्रेमपूर्वक या आदर से किसी का स्वागत-सत्कार करना; पलकें मूंदना- मरना, मृत्यु हो जाना; पलकों से तिनके चुनना- अत्यंत श्रद्धा एवं भक्ति से सेवा करना; पलक झपकते ही- क्षण भर में ही, एक पल में ही; पलक पाँवड़े बिछाना- हार्दिक स्वागत करना।

पलकपीटा पुं. (फा.+देश.) 1. आँख का एक रोग जिसमें बरौनियाँ झड़ जाती हैं और आँखें बराबर

झपकती रहती हैं, रोगी धूप की ओर या सूर्य की ओर नहीं देख पाता 2. ऐसा मनुष्य जिसे पलक-पीटा रोग हो गया हो।

पलकांतर पुं. (तद्.) पलकों के गिरने के कारण होने वाला व्यवधान का अंतर।

पलका पुं. (देश.) पलंग, चारपाई वि. चंचल।

पलक्या स्त्री. (देश.) पालक का साग।

पलक्ष पुं. (तत्.) 1. सफेद रंग, श्वेत वर्ण वि. जिसका रंग सफेद हो, श्वेत वर्ण युक्त।

पलखन पुं. (तद्.) पाकर का वृक्ष।

पलगंड पुं. (तत्.) कच्ची दीवार में मिट्टी का लेप करने वाला, लेपक।

पलचर पुं. (तत्.) 1. राजपूतों की कथाओं में वर्णित एक उपदेवता, ऐसा लोक-विश्वास है कि यह उपदेवता युद्ध में मरे लोगों का रक्त पीता है और आनंदित होता है 2. माँसभक्षी पक्षी।

पलटन स्त्री. (अं.) 1. अंग्रेज पैदल सैनिकों का एक विभाग जिसमें दो या अधिक कंपनियाँ हों, जिसमें 200 के लगभग सैनिक हों 2. सैनिकों या लोगों का एक समूह जो किसी उद्देश्य या प्रयोजन से एकत्रित हो, समुदाय, दल, झुंड।

पलटना अ.क्रि. (तद्.) 1. किसी वस्तु की स्थिति उलट जाना, ऊपर का भाग नीचे या नीचे का भाग ऊपर होना 2. दशा, स्थिति, अवस्था या मुद्रा बदलना, परिवर्तन होना 3. अच्छी स्थिति या दशा में आना जैसे- बरसों बाद इस व्यक्ति के दिन पलटे हैं 4. घूम जाना, पलट जाना, मुड़ जाना 5. बात से पलटना, मुकर जाना 6. लौटना, वापस आना अ.क्रि. 1. किसी वस्तु की स्थिति का पलटना, निचले भाग को ऊपर या ऊपर के भाग को नीचे करना, सीधी वस्तु को उलटा या उलटी को सीधा करना 2. काया पलट देना जैसे- योग्य प्रशासक के आने से संस्था की दशा ही पलट गई 3. फेरना, घुमाना 4. बदलना जैसे- प्रिय आगमन की कल्पना से ही नायिका वस्त्र पलटने लगी 5. एक वस्तु देकर उसके बदले में दूसरी लेना, बदले में लेना।